

2

न्यायालय श्रीमान् राजस्वमण्डल, ग्वालियर म.प्र.

दिनांक 19/6/16

निगरानी प्र.क्र.-

सन् 2016

श्री राजनीश्वर शर्मा

त आज दि 21/6/16 को

तुत

भागवती पत्नि भवानीदीन बसोर

निवासी- ग्रामधौरी तह. व जिला उत्तरपुर म.प्र. •• निगरानीकर्ता

क्लर्क ऑफ कोर्ट
राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर

// विरुद्ध //

म.प्र.शासन

•• अनावेदक

निगरानी अंतर्गत धारा 50 म.प्र. भू.रा.संहिता 1959

निगरानी विरुद्ध आदेश मान.अपर क्लेक्टर उत्तरपुर के प्र.क्र.-12/अ-21/2015-16 में पारित आदेश दिनांक 10.06.16 से परिचेदित होकर निगरानी प्रस्तुत है :-

महोदय,

निगरानीकर्ता की ओरसे निम्न प्रार्थना है -

1:-

यहकि प्रकरण के तथ्य इस प्रकार है कि भूमि ख.नं. 1313/5/2 रकवा 1.00 हेक्टेयर स्थित ग्राम धौरी, तहसील वाजिला उत्तरपुर के भूमि आवेदिका के भूमि स्वामी स्वामित्व एवं आधिपत्य वा कब्जे की भूमि है ।

2:-

यहकि आवेदिका अपने भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा 1313/5/2 रकवा 1.00 हेक्टेयर भूमि अपनी पुत्री की शादी हेतु विक्रय की अनुमति हेतु आवेदनपत्र मान.अपर क्लेक्टर महोदय के न्यायालय, उत्तरपुर में प्रस्तुत किया था जिसमें स्पष्ट रूप से लेख किया था कि आवेदिका के पति के बीमार होने के कारण

[Handwritten signature]

परिवार का पालन पोषण करने में असमर्थ है जिस कारण से बच्ची

राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक 1968/एक/2016 निगरान

जिला छतरपुर

स्थान तथा
दिनांक

कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों /
अभिभाषकों
के हस्ताक्षर

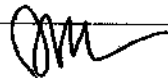
4-7-16

यह निगरानी कलेक्टर छतरपुर द्वारा प्रकरण क्रमांक 12/अ-21/15-16 में पारित आदेश दिनांक 10-6-16 के विरुद्ध म०प्र०भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।

2/ प्रकरण का सारोश यह है कि आवेदक ने कलेक्टर छतरपुर के समक्ष म०प्र०भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 165 के अंतर्गत प्रार्थना पत्र देकर उसके नाम की ग्राम धौरी स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 1313/5/2 रकबा एक हैक्टर के विक्रय की अनुमति दिये जाने की मांग की। कलेक्टर छतरपुर ने प्रकरण क्रमांक 12/अ-21/15-16 पंजीबद्ध किया तथा आदेश दिनांक 10-6-16 पारित करके आवेदक का आवेदन पत्र निरस्त कर दिया। इसी आदेश से परिवेदित होकर यह निगरानी प्रस्तुत की गई है।

3/ आवेदक की अभिभाषक श्रीमती रजनी वशिष्ठ शर्मा एवं शासन के पैनल लायर के तर्क सुने तथा उपलब्ध अभिलेख का अवलोकन किया गया।

4/ आवेदक की अभिभाषक ने तर्कों में बताया कि ग्राम धौरी स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 1313/5/2 रकबा एक हैक्टर आवेदक को पट्टे पर मिली भूमि नहीं है वरन् उसके पिता के नाम से उसे प्राप्त हुई है एवं भूमिस्वामी

प्र०क० 1968/एक/2016 निगरानी

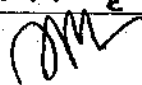
स्वत्व की भूमि है उन्होंने यह भी बताया कि आवेदक ने भूमि का विक्रय श्रीमती नईमा खातून पत्नि फजलुर्रहमान खान निवासी पुलिस लायन छतरपुर को कर दिया है कलेक्टर छतरपुर से मात्र विक्रय की औपचारिक स्वीकृती मांगी गई है जिसे न देने में उन्होंने भूल की है।

शासन के पैनल लायर ने बताया कि भले ही शासकीय अभिलेख में भूमि आवेदक के नाम भूमिस्वामी स्वत्व पर है परन्तु वह अनुसूचित जाति की महिला है इसलिये बिना अनुमति के विक्रय अवैध है जिसके कारण तहसीलदार ने विक्रय पत्र पर से नामान्तरण नहीं किया है। उन्होंने कलेक्टर के आदेश को उचित बताते हुये निगरानी निरस्त करने की मांग की।

5/ उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्कों पर विचार करने एवं उपलब्ध अभिलेख के अवलोकन से यह निर्विवाद है कि ग्राम धौरी स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 1313/5/2 रकबा एक हैक्टर आवेदक की पट्टे की भूमि नहीं है वरन् उसके पिता से उसे प्राप्त है एवं भूमिस्वामी स्वत्व की भूमि है जिसके कारण उप पंजीयक ने विक्रय पत्र दिनांक 17 मई 2013 संपादित किया है। चूंकि जब भूमि विक्रीत हो चुकी है एवं विक्रेता आवेदक द्वारा क्रेता से विक्रय धन प्राप्त कर लिया है तब क्या आवेदक को औपचारिक रूप से विक्रय अनुमति दिये जाने में किसी प्रकार की बौधानिक अड़चन है ?

- (1) आधुनिक गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या० विरुद्ध म०प्र०राज्य तथा एक अन्य 2013 रा०नि०-8 - माननीय उच्च न्यायालय का न्यायिक दृष्टांत है कि :-





राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक 1968/एक/2016 निगरानी

जिला छतरपुर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारी / अभिभाषकों के हस्ताक्षर
	<p>“(1) भू-राजस्व संहिता, 1959 (म.प्र.)-धारा 165 (7-ख) तथा 158 (3) का लागू होना - उपबंधों के अंतः स्थापन से पूर्व पट्टा तथा भूमिस्वामी अधिकार प्रदान किये गये - बिना अनुमति के भूमि का अंतरण - उपबंधों को भूतलक्षी प्रभाव नहीं दिया गया - उपबंध आकर्षित नहीं होते - भूमिस्वामी का अंतरण का अधिकार निहित अधिकार है।</p> <p>(2) विधि का निर्वचन - का सिद्धांत - नवीन उपबंध का अंतःस्थापन - भूतलक्षी प्रभाव नहीं दिया गया - ऐसे उपबंध की भूतलक्षी प्रभावी होने की उपधारणा नहीं की जा सकती।”</p> <p>(2) दयाली तथा एक अन्य विरुद्ध महिला श्यामावाई 2004 रा0नि0 183 में व्यवस्था दी गई है कि भू राजस्व संहिता 1959(म0प्र0) - धारा 165 (7-ख) - सरकारी पट्टेदार द्वारा आबंटन के 10 वर्ष पश्चात् भूमिस्वामी अधिकार अर्जित किये - भूमि का विक्रय कर सकता है - कलेक्टर की पूर्व अनुज्ञा आवश्यक नहीं है। जब कि विचाराधीन भूमि पट्टे की भूमि न होकर विरासत में प्राप्त भूमिस्वामी स्वत्व की भूमि है, जिसके कारण वादग्रस्त भूमि के विक्रय की अनुमति दिये जाने में किसी प्रकार की बैधानिक अड़चन नहीं है।</p> <p>6/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी स्वीकार की जाकर कलेक्टर छतरपुर द्वारा प्रकरण क्रमांक 12/अ-21/15-16 में पारित आदेश दिनांक 10-6-16 त्रुटिपूर्ण होने से निरस्त किया जाता है एवं आवेदक को उसके स्वामित्व की ग्राम धौरी स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 1313/5/2 रकबा एक हैक्टर के विक्रय की औपचारिक अनुमति प्रदान की जाती है ।</p>	


सदस्य